MP Board Class 6th Notes Sanskrit Chapter 15 स्वतन्त्रतादिवसः

स्वतन्त्रतादिवसः हिन्दी अनुवाद

(केचन छात्राः विद्यालयस्य प्राङ्गणे तिष्ठन्ति चर्चा कुर्वन्ति च)

सुरेशः :
भो महेश! पश्य! अष्टमकक्षायाः छात्राः किं कुर्वन्ति?

महेशः :
श्वः अगस्तमासस्य पञ्चदशदिनाङ्कः। अस्माकं स्वतन्त्रादिवसस्य समारोहः भविष्यति। अतः वरिष्ठाः छात्राः विद्यालये विशेषसज्जां कुर्वन्ति।

सुधीरः :
अहं पठितवान् यत् १८५७ तमे वर्षे प्रथमस्वतन्त्रतासंग्रामः अभवत्। ततः भारतीयाः स्वतन्त्रतायै निरन्तरं प्रयासम् अकुर्वन्। ते भीषणकष्टानि असहन्त।।

मनधीरः :
सत्यम्! अनन्तरम् एव १९४७ तमे वर्षे अगस्तमासस्य पञ्चदशदिनाङ्के तेषां प्रयत्नाः सफलाः जाताः। तस्य स्मृत्यर्थम् एव प्रतिवर्ष स्वतन्त्रतादिवसस्य उत्सवः भवति।

वरदा :
पश्य! सुरेश पश्य! अवन्तिका, मीनाक्षी काशीनाथ चः अत्रैव आगच्छन्ति। (सर्वे तत्र आगछन्ति)

मीनाक्षी :
अहो शोभनम्! श्वः समारोहे किं किं भविष्यति?

अनवाद :
(कुछ छात्र विद्यालय के प्राङ्गण में खड़े हुए हैं और चर्चों करते हैं।)

सुरेश :
हे महेश! देखो! आठवीं कक्षा के छात्र क्या करते हैं?

महेश :
कल (आने वाला) अगस्त महीने की पन्द्रहवीं तारीख है।
हमारे स्वतन्त्रता दिवस का समारोह (उत्सव) होगा।
इसलिए वरिष्ठ छात्र विद्यालय में विशेष सजावट (तैयारी) करते हैं।

सुधीर :
मैंने पढ़ा था कि सन् १८५७ ई. में प्रथम स्वतन्त्रता संग्राम हुआ था। उसके बाद भारतीयों ने स्वतन्त्रता के लिए निरन्तर प्रयास किये। उन्होंने भयंकर कष्टों को सहन किया।

मनधीर :
सत्य है (ठीक है)! बाद में ही सन् १९४७ ई. में अगस्त महीने की पन्द्रहवीं तारीख को उनके प्रयत्न सफल हो गये। उनको स्मरण बनाये रखने के लिए ही प्रत्येक वर्ष स्वतन्त्रता दिवस का उत्सव होता है।

वरदा :
देखो! सुरेश देखो! अवन्तिका, मीनाक्षी और काशीनाथ यहाँ ही आ रहे हैं। (सभी वहाँ आ रहे है)

मीनाक्षी :
अहा! यह कितना सुन्दर है। कल समारोह में क्या-क्या होगा?

सुरेशः :
सर्वे छात्रा: गणवेशे प्रातः सप्तवादने विद्यालयम् आगमिष्यन्ति। ध्वजस्थलस्य समीपे पङ्क्तिबद्धाः स्थास्यन्ति।

सोमदत्त: :
सर्वे शिक्षकाः कर्मचारिणः अपि स्थास्यन्ति। अनन्तरम् अस्माकं प्रधानाध्यापकः ध्वजोत्तोलनं करिष्यति। तत्पश्चात् सर्वे समवेतस्वरेण 'जनगणमन' इति राष्ट्रगानं गास्यन्ति। पश्चात् प्रधानाध्यापकमहोदयः उद्बोधनं करिष्यति।

माधवी :
तदनन्तरं छात्रसभायां केचन छात्रा: गीतानि गास्यन्ति केचन च भाषणानि करिष्यन्ति। मिष्ठान्नवितरणेन कार्यक्रमस्य समापनं भविष्यति।

वरदा :
अहं संस्कृतमाध्यमेन तिलकस्य, महात्मागान्धि महोदयस्य, नेहरुमहोदयस्य, सुभाषचन्द्रस्य च महत्कार्यविषये भाषणं करिष्यामि।

नागेश: :
चन्द्रशेखर

आजादः :
अशफाकउल्लाह

खानः :
भगतसिंहादयः स्वतन्त्रतायै प्राणार्पणम् अकुर्वन्। भाषणस्य मम विषयः 'क्रान्तिकारीणां कार्यम्' इति अस्ति।

मनधीरः :
शोभनो हि स्वतन्त्रतादिवसः। इदानीं वयं गृहं गच्छामः। मया अपि सुरेशमीनाक्षीकाशीनाथैश्च सह समूहगीतस्य अभ्यासः करणीयः।
"ध्वजो धूयतां भारतीयस्य लोके।"

https://www.evidyarthi.in/

अनवाद :
सुरेश :
सभी छात्र गणवेश में प्रातः सात बजे विद्यालय में आ जायेंगे। ध्वजस्थल के पास पंक्तिबद्ध खड़े हो जायेंगे।

सोमदत्त :
सभी शिक्षक और कर्मचारी भी खड़े होंगे। इसके बाद हमारे प्रधानाध्यापक ध्वजारोहण करेंगे। उसके बाद, सभी एक स्वर से 'जनगणमन' इस राष्ट्रगान को गायेंगे। बाद में, प्रधानाध्यापक महोदय उद्बोधन करेंगे।

माधवी :
उसके बाद छात्रसभा में कुछ छात्र गीत गायेंगे और कुछ भाषण करेंगे। मिष्ठान्न वितरण के साथ ही कार्यक्रम का समापन हो जायेगा।

वरदा :
मैं संस्कृत भाषा के माध्यम से तिलक, महात्मा गांधी महोदय के, नेहरू महोदय के तथा सुभाषचन्द्र के महान कार्यों के विषय में भाषण करूँगी।

नागेश :
चन्द्रशेखर आजादः, अशफाक उल्लाह खान, भगतसिंह
आदि ने स्वतन्त्रता के लिए प्राण न्योछावर कर दिए। मेरे
भाषण का विषय है 'क्रान्तिकारियों के कार्य'।

मनधीर :
स्वतन्त्रता दिवस (अति) शोभनीय है। अब हम सब घर चलते हैं। मुझे भी सुरेश, मीनाक्षी और काशीनाथ के साथ समूह गान का अभ्यास करना चाहिए। "भारतीय लोक में ध्वज ऊँचा ही लहराता रहे।"

स्वतन्त्रतादिवसः शब्दार्थाः

प्राङ्गणे = प्राङ्गण में। तिष्ठन्ति = खड़े हैं। श्वः = आने वाला कल। विशेषसज्जां = विशेष सजावट। प्रथमस्वतन्त्रतासङ्ग्रामः = आजादी की पहली लड़ाई। निरन्तरम् = लगातार। भीषण कष्टानि = अत्यधिक कष्टों को। असहन्त = सहन किया। स्मृत्यर्थम् = स्मरण के लिये। धारयित्वा = पहनकर। ध्वज. स्थलस्य = झण्डा फहराने के स्थान के। स्थास्यन्ति = खड़े रहेंगे। ध्वजोत्तोलनं = झण्डा फहराना। समवेतस्वरेण = एक स्वर में। प्राणार्पणम् = बलिदान। अनन्तरम् = उसके बाद। गास्यन्ति = गाएँगे। धूयतां = फहराएँगे। गो